Need to address the problem of preparing AADHAAR card for differently-abled citizens

डा. सुमेर सिंह सोलंकी (मध्य प्रदेश): धन्यवाद, माननीय उपसभापति महोदय - नर्मदे हर!

माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपका एवं सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण संवेदनशील विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। मध्य प्रदेश के निमाड़ क्षेत्र के साथ-साथ, देश के विभिन्न क्षेत्रों में एक विकट स्थिति बनी हुई है। दिव्यांग नागरिकों के हाथ के अंगूठे, उंगलियाँ तथा आँखों के न होने के कारण आधार कार्ड बनाने में दिक्कत आ रही है, जिस कारण उन्हें सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं, जैसे आयुष्मान कार्ड, मोबाइल कनेक्शन, राशन, पेंशन, इत्यादि सरकारी योजनाओं, जिनमें आधार कार्ड की अनिवार्यता कर दी गई है, उनका पूर्ण लाभ नहीं मिल पा रहा है। वर्तमान में, हमारे देश के कुछ महानगरों में ही फेस रीडिंग के माध्यम से आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया संचालित की जा रही है, जो कि हमारी सरकार का एक सराहनीय कदम है, परंतु देश के कोने-कोने में निवास करने वाले दिव्यांगजनों की पहुंच इन महानगरों तक नहीं है, इसलिए दूर-दराज क्षेत्र में रहने वाले दिव्यांगजन आज भी अपना आधार कार्ड नहीं बनवा पा रहे हैं। कुछ दिव्यांग भाई-बहनों के आधार कार्ड बन भी जाते हैं, तो उन्हें भी अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत वर्ष में लगभग 2 करोड़, 10 लाख लोग किसी न किसी प्रकार की दिव्यांगता की श्रेणी में आते हैं। माननीय उपसभापति महोदय, इस संबंध में समय-समय पर देश के सामाजिक लोगों के द्वारा मांग की जाती रही है कि सरकार द्वारा इन दिव्यांग नागरिकों के लिए एक विशेष प्रावधान के जरिए इनके आधार कार्ड बनाए जाने चाहिए, ताकि मेरे इन गरीब भाई और बहनों को विकास की इस बहती धारा से वंचित न होना पड़े। इसके लिए सरकार के भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण को दिव्यांग लोगों के लिए एक विशेष तकनीक विकसित करने के लिए निर्देशित करना चाहिए, ताकि उनके आधार कार्ड बनवाने में आसानी हो सके। नई तकनीक विकसित करने से मेरे इन भाई और बहनों को बायोमेट्रिक या अन्य माध्यम से मिलने वाली सरकारी सहायता लेने में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा और इनको रोजमर्रा के जीवन में आने वाली कठिनाइयों से भी निजात मिलेगी।

माननीय उपसभापति महोदय, मेरा सरकार से आग्रह है कि देश में प्रत्येक जिला स्तर पर एक विशेष अभियान चलाकर इन दिव्यांग भाइयों और बहनों की पहचान की जाए और उनके आधार कार्ड सरकार के भारतीय विशिष्ट प्राधिकरण द्वारा विशेष तकनीक के माध्यम से बनाए जाना चाहिए। हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री, माननीय नरेन्द्र मोदी जी के मन में दिव्यांग जनों के प्रति एक विशेष स्नेह है, इसलिए उन्होंने 3 दिसंबर को 'अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस' के रूप में मनाने का संकल्प लिया है। माननीय उपसभापति महोदय, मेरा आपके माध्यम से सरकार से विनम्र अनुरोध है कि जिन दिव्यांग नागरिकों के हाथ के अंगूठे, उंगलियों तथा आंखों में किसी प्रकार का विकार होने के कारण या किसी कारणवश आधार कार्ड नहीं बन पा रहे हैं, उनके आधार कार्ड बनाने के लिए सरल विकल्पों पर विचार किया जाना चाहिए, जिससे हमारे दिव्यांग भाईबहनों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया जा सके। मेरा यही अनुरोध है, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the matter raised by the hon. Member, Dr. Sumer Singh Solanki: Prof. Manoj Kumar Jha (Bihar), Shri Maharaja Sanajaoba Leishemba (Manipur), Shrimati S. Phangnon Konyak (Nagaland), Dr. Sikander Kumar (Himachal Pradesh), Ms. Kavita Patidar (Madhya Pradesh), Ms. Indu Bala Goswami (Himachal Pradesh), Shrimati Darshana Singh (Uttar Pradesh), Shrimati Sangeeta Yadav (Uttar Pradesh), Shri Sadanand Shet Tanawde (Goa), Shri Pabitra Margherita (Assam), Shri Jose K. Mani (Kerala), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Shrimati Sumitra Balmik (Madhya Pradesh), Dr. John Brittas (Kerala), Shri Rambhai Harjibhai Mokariya (Gujarat), Dr. Kalpana Saini (Uttarakhand), Shrimati Vandana Chavan (Maharashtra), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shri Sujeet Kumar (Odisha), Dr. Amar Patnaik (Odisha), Shri Kanakamedala Ravindra Kumar (Andhra Pradesh), Shrimati Phulo Devi Netam (Chhattisgarh), Shri Abir Ranjan Biswas (West Bengal), Shrimati Priyanka Chaturvedi, Shri Rajmani Patel (Madhya Pradesh) and Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu).

Now Dr. K. Laxman; need to protect ancient monuments and archaeological sites at holy shrine Tirumala.

Need to protect ancient monuments and archaeological sites at the holy shrine Tirumala

DR. K. LAXMAN (Uttar Pradesh): Sir, Bharat is the oldest living civilization in the world. Indian culture and traditions are closely linked to *Sanatana Dharma* whose edifices, the plethora of temples and monuments, spread across the nook and corner of India. Tirumala is supposed to be the world's largest holy and spiritual place covered by seven hills which consists of ancient monuments, temples and mandapas constructed during the regime of Chola, Pallava, Vijayanagaram and Yadava kings. But recently, unfortunately, the TTD demolished an ancient Parveta Mandapa at Tirumala which was in existence for more than 800 years and constructed a new modern mandapa with new dressed granite. TTD is also trying to demolish Padala Mandapam at Alipiri in Tirupati. Instead of demolishing such age old monuments, the opinion of ASI should be taken on structures which have got historical, spiritual and archaeological significance. I urge upon the concerned authorities to view the matter very seriously because the devotees of Lord Venkateshwara Swami of Tirumala are not there in Andhra Pradesh alone, but from places all through the country, thousands of devotees come and pay their homage. The historical, cultural and traditional importance of these ancient temples in and around Tirumala and Tirupati is